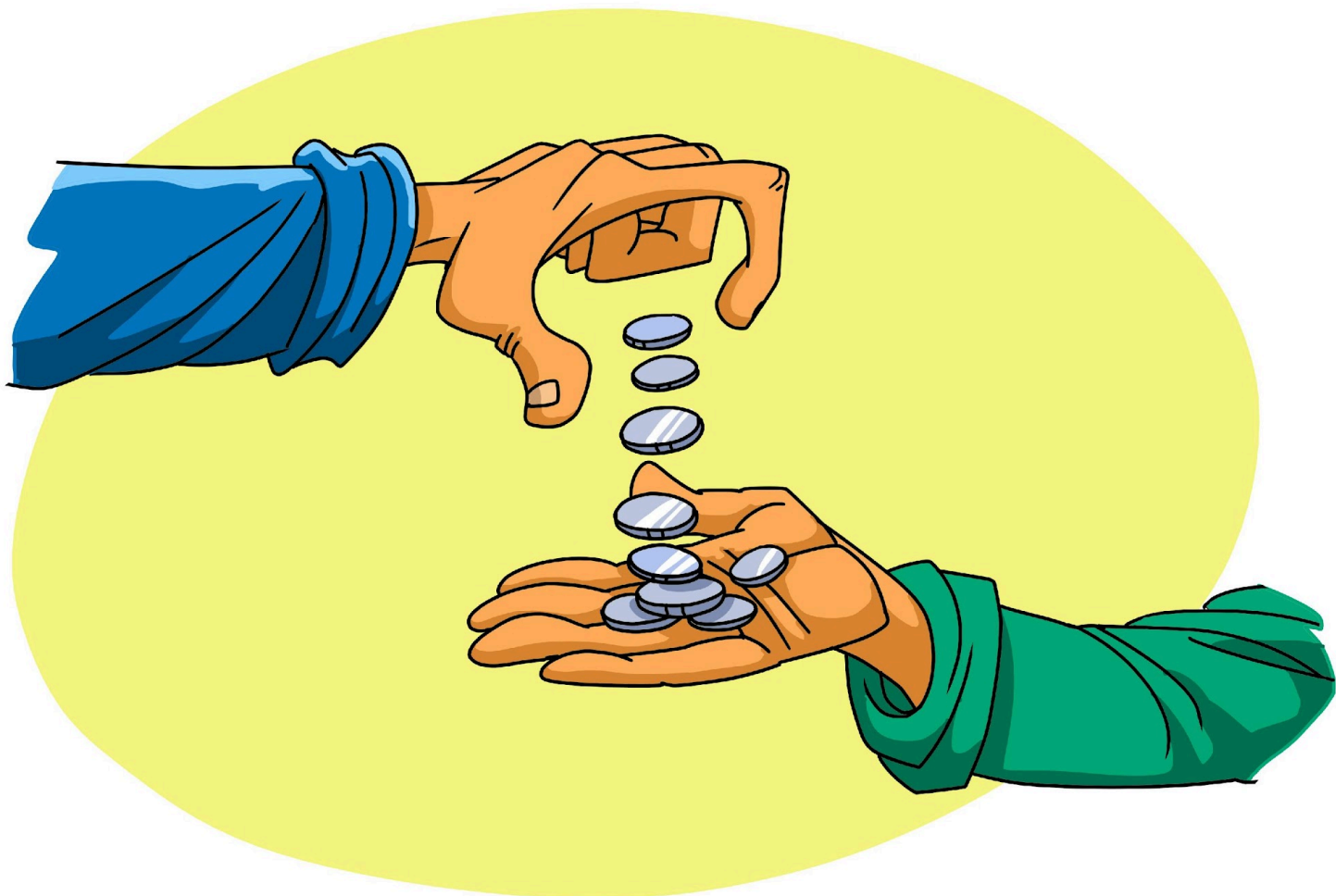






यह दृष्टांत मत्ती 25:14-30 में यीशु द्वारा सिखाए गए एक अन्य दृष्टांत के समान है। लेकिन यीशु ने अपने सेवकाई काल में इन्हें अलग-अलग समय और स्थानों पर सुनाया था। यह पाठ लूका में वर्णित दृष्टांत पर केंद्रित होगा क्योंकि इसका विषय थोड़ा भिन्न है।

यह दृष्टांत यीशु द्वारा जक्केयस से मिलने के बाद सुनाया गया था, और यीशु ने यह दृष्टांत विशेष रूप से लोगों को सुनाया था क्योंकि वह यरुशलैम के निकट थे।

यीशु के अनुयायी एक मसीहा की प्रतीक्षा कर रहे थे जो पृथ्वी पर एक भौतिक राज्य को पुनर्स्थापित करेगा।

उनका मानना था कि वह सैन्य और राजनीतिक रूप से आगे बढ़ेगा और इस विशेष समय पर उसके अनुयायियों को लग रहा था कि यह होना ही है।

यीशु ने यह दृष्टांत विशेष रूप से लोगों को यह बताने के लिए सुनाया कि वह अपनी वापसी से पहले और पृथ्वी पर एक भौतिक राज्य की स्थापना से पहले एक लंबे समय के लिए चले जाएंगे।

यह दृष्टांत एक "विशेष" रईस से शुरू होता है जो अपने लिए एक राज्य प्राप्त करने के लिए एक दूर देश में जाता है और फिर वापस लौटता है।

उसने अपने दस सेवकों को बुलाया और उन्हें दस पाउंड (मीना) दिए। एक मीना लगभग तीन से चार महीने की मजदूरी के बराबर था। उसने इसे सेवकों में बांट दिया और प्रत्येक सेवक को एक-एक पाउंड मिला (लूका 19:16)।

तब उस रईस ने कहा,

मेरे आने तक यहाँ कब्जा बनाए रखो।

इसका अर्थ यह है कि मेरे आने तक आप अपना कारोबार जारी रखें, या मेरे लिए इसमें निवेश करें। मेरे लौटने तक इसका इस्तेमाल कारोबार चलाने के लिए करें।

वह उन्हें अपने अनुपस्थिति के दौरान खर्च करने के लिए एक भत्ता दे रहा है। यह उनका पैसा नहीं है, यह उसका है। वह उनसे अनुरोध कर रहा है कि वे उसकी अनुपस्थिति में इस पैसे का समझदारी से निवेश करें।

लेकिन उसके नागरिक उससे नफरत करते थे और कहते थे, हम इस आदमी को अपने ऊपर राज नहीं करने देंगे। ध्यान दें, ये लोग उसके सेवकों से अलग हैं। ये उसके देश के नागरिक थे; उसकी भावी प्रजा।

जब वह रईस राज्य प्राप्त करके लौटा, तो उसने अपने उन सेवकों को बुलाया जिन्हें उसने धन दिया था, ताकि वह जान सके कि उन्होंने व्यापार और निवेश से कितना लाभ कमाया है।

पहला सेवक आया और बोला, "मालिक, आपके एक पौंड की कीमत दस पौंड बढ़ गई है।"

चर्चा करना:

यह नौकर एक समझदार निवेशक लगता है। आपको क्या लगता है कि उसने अपने पैसे का क्या किया होगा?

हो सकता है उसने कोई इमारत खरीदी हो और उसे किराए पर दे दिया हो। हो सकता है उसने कोई दुकान खोली हो और सामान बेचा हो।

हो सकता है उसने एक बैंक शुरू किया हो और दूसरों को पैसे उधार दिए हों। हो सकता है उसने कोई नया व्यवसाय शुरू किया हो।

हमें इसके अलावा और कुछ नहीं पता कि उनके निवेश से उन्हें बहुत अच्छा मुनाफा हुआ था।

तब उस रईस ने उस सेवक से कहा,

तुमने अच्छा काम किया है। क्योंकि तुमने थोड़ी सी चीज में वफादारी दिखाई है, इसलिए मैं तुम्हें दस शहरों पर अधिकार दूंगा।





राज्य व्यवसाय

ध्यान दें कि गुरु इसे "बहुत कम" या ज़रा सा" कहते हैं। यह व्यक्ति निश्चित रूप से बहुत धनी रहा होगा। उसने प्रत्येक व्यक्ति को निवेश करने के लिए कई महीनों का वेतन दिया, और वह इसे "बहुत कम" कहता है।

लेकिन इस व्यक्ति ने इसे कई गुना बढ़ा दिया है और अपने काम का इनाम पाया है; वह दस शहरों का शासक है।

फिर दूसरा नौकर अंदर आया और बोला, "मालिक, आपके एक पौंड में पाँच पौंड की वृद्धि हो गई है।"

और उस व्यक्ति ने उस सेवक से भी वही बात कही जो उसने पहले सेवक से कही थी, और उसे पाँच नगरों पर अधिकार दे दिया।

फिर एक और नौकर आया। उसने कहा, "मालिक, यह रहा आपका एक पाउंड।" मैंने इसे रुमाल में लपेट दिया।

उसने इसे खोया नहीं, न ही उसने कोई ऐसा बेकार निवेश किया जिससे उसे कोई लाभ न मिला हो। उसने मूलतः इसे अलग रखने और सुरक्षित रखने के अलावा कुछ नहीं किया।

तब उस सेवक ने कहा, मैं आपसे डरता था क्योंकि आप एक कठोर (सख्त) व्यक्ति हैं। आप दूसरों की चीज़ें ले लेते हैं और बिना बोर्ड हुई फसल काटते हैं।

इस नौकर की राय रईस के बारे में बाकी नौकरों से अलग लगती है। हमने इस रईस को जितना देखा है, उससे लगता है कि वह बहुत उदार है; उसने नौकरों को अपनी इच्छानुसार निवेश करने के लिए अच्छी खासी रकम दी। फिर उसने उन्हें उस पैसे का इस्तेमाल करने के लिए इनाम भी दिया जो असल में उनका था ही नहीं।

वह व्यक्ति परेशान है; अब वह सख्त और कठोर प्रतीत होता है।

वह कहता है, तुम्हारे अपने मुंह से ही मैं तुम्हारा न्याय करूंगा हे दुष्ट सेवक!

तुम जानते थे कि मैं कठोर स्वभाव का था दूसरों की चीज़ें छीन लेता था और बिना मेहनत के फसल काटता था। तो तुमने वो पैसा बैंक में क्यों नहीं जमा किया? फिर जब मैं वापस आता तो कम से कम मुझे ब्याज तो मिल जाता?

चर्चा करना:

"तुम्हारे अपने मुंह से ही मैं तुम्हारा न्याय करूंगा।" इसका क्या अर्थ है?

क्या इसका यह मतलब हो सकता है कि क्योंकि उसने उस व्यक्ति को कठोर और सख्त समझा, इसलिए वह उसके बारे में वैसा ही निर्णय लेगा जैसा उसने मान लिया था?

वह व्यक्ति मूल रूप से कह रहा है, तुमने ऐसा कहा है, इसलिए तुम्हें वही मिलेगा जिसकी तुम्हें उम्मीद थी।

फिर उसने पास खड़े अन्य लोगों से कहा, इससे पैसे ले लो और उसे उस आदमी को दे दो जिसके पास दस हैं।

चर्चा करना:

ऐसा लगता है कि वहां मौजूद हर कोई अपनी बारी का इंतजार कर रहा है और वे सभी देख सकते हैं कि बाकी लोगों ने क्या हासिल किया है।

लेकिन पास खड़े लोगों ने कहा, हे भगवान, उसके पास तो दस पाउंड हैं।

बाकी नौकरों का कहना था कि उस आदमी के पास पहले से ही दस पाउंड हैं। हम उस आदमी से क्यों ले रहे हैं जिसके पास कुछ भी नहीं है और उसे दे रहे हैं जिसके पास पहले से ही बहुत कुछ है?

लेकिन इस आदमी की सोच अलग थी। उसने कहा,

जिसके पास है, उसे और अधिक दिया जाएगा। जिसके पास कुछ नहीं है, उससे वह भी छीन लिया जाएगा जो उसके पास है।

तब उस व्यक्ति ने कहा, "शत्रुओं को यहाँ लाओ, वे लोग जो नहीं चाहते थे कि मैं उन पर शासन करूँ, और उन्हें मार डालो।"



वह कुलीन व्यक्ति यीशु का प्रतिनिधित्व करता है।

यीशु लगातार यह प्रचार करते रहे कि स्वर्ग का राज्य “निकट है”। इसका अर्थ है कि वह निकट आ रहा है, करीब आ रहा है; एक चीज दूसरी से जुड़ रही है। उनका क्रूस पर चढ़ाया जाना मूलतः उनका राज्याभिषेक था, क्योंकि उन्होंने कांटों का मुकुट और वस्त्र प्राप्त किया। वे अपना राज्य प्राप्त करने के लिए चले गए हैं, और पवित्र आत्मा के द्वारा, विश्वासी उनके साथ राज्य में शासन करते हैं (रोमियों 5:17; इफिसियों 2:6)। लेकिन एक समय आएगा जब वे पृथ्वी पर लौटेंगे और एक भौतिक राज्य स्थापित करेंगे।

नौकर-चाकर हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं।

हमें इस धरती पर परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने के लिए ज़िम्मेदारियाँ और संसाधन दिए गए हैं। जिस प्रकार सेवकों को व्यापार में निवेश करने के लिए धन मिला, उसी प्रकार हमें यीशु के लौटने तक राज्य का निर्माण करना है। हमें निष्क्रिय बैठकर केवल यीशु के लौटने की प्रतीक्षा नहीं करनी है। उनका इरादा कभी भी हमें केवल आने वाले जीवन में आशा रखने के लिए नहीं था। हम अभी राज्य में जी रहे हैं; हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ है। हम परमेश्वर द्वारा दी गई चीज़ों को व्यर्थ नहीं जाने दे सकते, या हम में से प्रत्येक के लिए उसके कार्यों की उपेक्षा करें। हमें जवाबदेह ठहराया जाएगा।

चर्चा करना:

ये कौन-कौन सी चीज़ें हैं जो ईश्वर ने हमें दी हैं? हर व्यक्ति के लिए इनका अर्थ अलग-अलग होता है।

हम सब मसीह के शरीर का हिस्सा हैं, लेकिन राज्य में हम सबकी अलग-अलग भूमिका है। बाइबल उन विभिन्न वरदानों के बारे में बताती है जो हमें दिए गए हैं (1 कुरिन्थियों 12:12-31)।

यह आपके किसी भी हुनर के बारे में हो सकता है। आप लोगों के साथ अच्छे से पेश आते हों, चीज़ें बनाने में माहिर हों, गणित में अच्छे हों, कंप्यूटर में अच्छे हों, या शायद आप बहुत सुंदर गाते हों। आप एक बेहतरीन रसोइया हों, या शायद आपको पेड़-पौधे उगाना पसंद हो। शायद आप जानवरों के साथ अच्छे से पेश आते हों, या शायद आपको बच्चों को पढ़ाना अच्छा लगता हो।

विद्यार्थियों के साथ सभी प्रकार की प्रतिभाओं और गुणों पर चर्चा करें। आप उन्हें उनकी व्यक्तिगत प्रतिभाओं और गुणों को पहचानने में मदद कर सकते हैं और परमेश्वर के राज्य के लिए उनका उपयोग करने के संभावित तरीकों पर बात कर सकते हैं।

सब कुछ यीशु की ओर इशारा करता है, और हम यह सब उनके लिए करते हैं।

लेकिन, तुम जो भी करो, प्रभु के लिए करो (1 कुरिन्थियों 10:31)।

ये नागरिक उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो यीशु को प्रभु और राजा के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं।

इन लोगों को राज्य में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई और उन्हें मृत्युदंड दिया गया।



पाठ के प्रश्न और स्मरण श्लोक

41. दुष्ट किसान

1. उस व्यक्ति द्वारा भेजे गए पहले नौकर के साथ किसानों ने क्या किया?
2. उन्होंने बाकी नौकरों के साथ क्या किया?
3. उस व्यक्ति ने अंततः किसे भेजने का निर्णय लिया?
4. नौकर बेटे को कहाँ ले गए?
5. नौकरों ने बेटे के साथ क्या किया?

यशायाह 28:16

16 इन बातों के कारण मेरा स्वामी यहोवा कहता है: "मैं एक पत्थर—एक कोने का पत्थर—सिय्योन में धरती पर गाड़ूँगा। यह एक अत्यन्त मूल्यवान पत्थर होगा। इस अति महत्वपूर्ण पत्थर पर ही हर किसी वस्तु का निर्माण होगा। जिसमें विश्वास होगा, वह कभी घबराएगा नहीं।

42. राज्य व्यवसाय

1. पहले नौकर ने उस पैसे का क्या किया?
2. पिछले नौकर ने पैसा कहाँ रखा था?
3. राजा ने आखिरी सेवक के पैसों का क्या किया?

लूका 19:26

26 "स्वामी ने कहा, 'मैं तुमसे कहता हूँ प्रत्येक उस व्यक्ति को जिसके पास है और अधिक दिया जायेगा और जिसके पास नहीं है, उससे जो उसके पास है, वह भी छीन लिया जायेगा।

43. अनुचित ढंग से कपड़े पहने हुए

यूहन्ना 14:6 पढ़िए

1. यीशु हमेशा किससे परिपूर्ण रहता है?
2. यीशु मृत्यु नहीं है, वह शाश्वत है?
3. परमपिता ईश्वर तक पहुँचने का एकमात्र मार्ग क्या है?

यशायाह 61:10

यहोवा मुझको अति प्रसन्न करता है। मेरा सम्पूर्ण व्यक्तित्व परमेश्वर में स्थिर है और प्रसन्नता में मगन है।

यहोवा ने उद्धार के वस्त्र से मुझको ढक लिया। वे वस्त्र ऐसे ही भव्य हैं जैसे भव्य वस्त्र कोई पुरुष अपने विवाह के अवसर पर पहनता है। यहोवा ने मुझे नेकी के चोगे से ढक लिया है। यह चोगा वैसा ही सुन्दर है जैसा सुन्दर किसी नारी का विवाह वस्त्र होता है।

44. गिरफ्तार!

1. यहेजकेल 1:28 में, जब उसने प्रभु की महिमा देखी तो क्या हुआ?
2. भजन संहिता 41:9 में, किसने धोखा दिया (अपनी एड़ी उठाई)?
3. मत्ती 26:50 में यीशु ने यहूदा को क्या कहा?

भजन संहिता 103:2-4

हे मेरी आत्मा, प्रभु की स्तुति कर और उसके सभी उपकारों को न भूल: वही तेरे सभी पापों को क्षमा करता है, वही तेरे सभी रोगों को चंगा करता है, वही तेरे जीवन को विनाश से बचाता है, वही तुझे प्रेम और दया से सुशोभित करता है...

